



राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

Message

On the occasion of Teachers' Day, I extend my warm wishes to all the teachers in our country. This day marks the birth anniversary of the great educationist, philosopher and former President of India Dr. Sarvepalli Radhakrishnan.

Teachers' Day is an occasion when the nation honours the profession of teaching and recognises the services and efforts of teachers towards building the future of the students. A teacher is not merely someone who gives the knowledge of subjects for clearing examinations but a teacher is also a mentor and a guide who shows the right path to his student.

The role of teachers has acquired new dimensions in the era of technology. The teachers should continuously evolve and adopt the latest methods of imparting education. At the same time, they should also keep in mind the significance of value-based education. The contribution of teachers in building an equitable and inclusive society and transforming India into knowledge hub of the world is more important than ever.

I once again convey my good wishes to the entire teaching community and wish them success in the endeavour of building an enlightened community of students who will take India to greater heights.

(Droupadi Murmu)

New Delhi
September 02, 2023



सत्यमेव जयते

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

संदेश

शिक्षक दिवस के अवसर पर, मैं देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। इसी दिन महान शिक्षाविद्, दार्शनिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई जाती है।

शिक्षक दिवस पर पूरा देश शिक्षण कार्य का और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की सेवाओं और प्रयासों का सम्मान करता है। शिक्षक केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विषयों का ही ज्ञान नहीं देता, बल्कि एक गुरु और मार्गदर्शक भी होता है जो विद्यार्थी को सही मार्ग दिखाता है।

प्रौद्योगिकी के युग में शिक्षकों की भूमिका में नए आयाम जुड़ गए हैं। शिक्षकों को निरंतर विकासशील रहना चाहिए और शिक्षा प्रदान करने के लिए नवीनतम पद्धतियों को अपनाना चाहिए। साथ ही, उन्हें मूल्यों पर आधारित शिक्षा के महत्व को भी ध्यान में रखना चाहिए। एक समतामूलक और समावेशी समाज का निर्माण करने और भारत को विश्व का ज्ञान केंद्र बनाने में शिक्षकों का योगदान पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

मैं, पुनः सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं देती हूं। मैं कामना करती हूं कि हमारे शिक्षक ऐसे प्रबुद्ध विद्यार्थी तैयार करने में सफल हों जो भारत को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएँ।

द्रौपदी
(द्रौपदी मुर्मू)

नई दिल्ली
सितम्बर 02, 2023